www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

UGC NET Paper 3 June 24, 2007 Shift 1 History Question Paper

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J—0607

PAPER—III

HISTORY

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

www.prepp.in

prepp
Your Personal Exams Guide

HISTORY

इतिहास

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - I

खण्ड – I

Note : Read the passage given below and answer the question numbers 1 to 5. Each answer should not be in more than 30 words. Each question carries 5 (Five) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न संख्या (1) से (5) तक का उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर में (30) से अधिक शब्द नही हों। प्रत्येक प्रश्न के (5) (पाँच) अंक हैं।

(5x5=25 अंक)

The *'Kauṭilīya Arthaśāstra'*, as the name indicates, is a treatise on Arthasastra. A definition of this śāstra is found in the concluding section of the work. We read there, "*artha* is the sustenance or livelihood (*vṛttiḥ*) of men ; in other words, it means 'the earth inhabited by men.' Arthaśāstra is the science which is the means of the acquisition and protection of the earth." In the same manner, the first sūtra of the work refers to "Arthaśāstras composed by earlier teachers for the acquisition and protection of the earth."

Since very early times *artha* has been regarded as one of the *trivarga* or three goals of human existence, the other two being *dharma* and *kāma*. In this connection, *artha* is understood to stand for material well-being as well as the means of securing such well-being, particularly, wealth. Like the other two goals, *artha* also has primarily the individual in view. It is the individual who is to pursue *artha* as one of the goals of his life. Now, an essential condition of a man's material well-being is security of livelihood. That is probably the reason why *artha* is, in this text, defined as *vṛtti* or livelihood.

कौटिलीय अर्थशास्त्र, जैसा कि नाम से लगता है, अर्थशास्त्र का ग्रन्थ है। इस शास्त्र की एक परिभाषा ग्रन्थ के अन्तिम भाग में उपलब्ध है। वहाँ हम पढ़ते हैं, " 'अर्थ' मनुष्य का आहार या आजीविका (वृत्ति) है; दूसरे शब्दों में, इसका अभिप्राय है 'पृथ्वी जहाँ लोग निवास करते हैं'। अर्थशास्त्र पृथ्वी के अधिगमन और अभिरक्षण के साधन का शास्त्र है।" इसी प्रकार ग्रन्थ का पहला सूत्र "पृथ्वी के अधिगमन और अभिरक्षण के लिये रचे गये पूर्ववर्ती आचार्यों के अर्थशास्त्रों का उल्लेख करता है।"

अत्यन्त प्राचीन काल से 'अर्थ' को त्रिवर्ग में से एक, अर्थात 'धर्म' एवं 'काम' के अतिरिक्त, मानवीय जीवन का तीसरा लक्ष्य (पुरुषार्थ) माना गया है। इस सम्बन्ध में 'अर्थ' का तात्पर्य भौतिक कल्याण तथा उसके साथ-साथ उसे प्राप्त करने के साधन, विशेषत:, सम्पत्ति के रूप में समझा जाता है। अन्य दोनों लक्ष्यों की भाँति 'अर्थ' का सन्दर्भ भी मुख्यत: वैयक्तिक होता है। जीवन के एक लक्ष्य के रूप में 'अर्थ' की साधना व्यक्ति के द्वारा ही की जाती है। इस प्रकार आश्वासित आजीविका मनुष्य के भौतिक कल्याण की अनिवार्य आवश्यकता है। सम्भवत: यही कारण है कि इस ग्रन्थ में 'अर्थ' को वृत्ति अथवा आजीविका के रूप में परिभाषित किया गया है।

www.prepp.in

1. Why has the author so entitled the text ?
लेखक ने ग्रन्थ को यह शीर्षक क्यों दिया है?

2. How does the text define Arthaśāstra ?
ग्रन्थ अर्थशास्त्र को किस प्रकार परिभाषित करता है?

www.prepp.in
prepp
Your Personal Exams Guide

3. What is the Arthaśāstra tradition ?

अर्थशास्त्र परम्परा का क्या अभिप्राय है?

4. What is the importance of 'trivarga' in Indian value system ?

भारतीय मूल्य-व्यवस्था में 'त्रिवर्ग' का क्या महत्व है?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

5. As a goal of life how does 'artha' have the individual in view ?
एक लक्ष्य के रूप में 'अर्थ' किस प्रकार वैयक्तिक होता है?

SECTION - II / खण्ड – II

Note : This section contains fifteen 15 (fifteen) questions. All questions are compulsory. Each answer should not be in more than 30 (thirty) words. Each question carries 5 (five) marks. **(5x15=75 marks)**

नोट : इस भाग में 15 (पंद्रह) प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक उत्तर में 30 (तीस) से अधिक शब्द नहीं होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न (5) पाँच अंकों का है। **(5x15=75 अंक)**

6. Name the countries with whom the Harappans had trade relations.
उन देशों के नाम बताइये जिनसे हड़प्पा संस्कृति के लोगों के व्यापारिक सम्बन्ध थे।

www.prepp.in
Prepp
Your Personal Exams Guide

7. What were 'Anuloma' and 'Pratiloma' forms of marriage ? Mention some Rigvedic examples.

'अनुलोम' और 'प्रतिलोम' विवाह क्या थे? ऋग्वेद-कालीन कुछ उदाहरण बताइये।

8. Name the four principle monarchies and their kings during the time of Buddha.

बुद्धकालीन चार प्रमुख राजतन्त्रों और उनके राजाओं के नाम लिखिये।

Prepp
Your Personal Exams Guide

9. Which foreign states, according to 'Prayaga Praśasti' accepted the sovereignty of samudragupta ? Which policy did Samudragupta adopt towards them ?
'प्रयाग प्रशस्ति' में कौन-से विदेशी राज्यों का उल्लेख है जो समुद्रगुप्त की अधीनता स्वीकार करते थे? समुद्रगुप्त ने उनके साथ किस प्रकार की नीति अपनाई?

10. Mention those historical sources which prove the victory of Pulakeśin II over Harsha.
उन ऐतिहासिक साक्ष्यों का उल्लेख कीजिये जो पुलकेशिन द्वितीय की हर्ष पर विजय सिद्ध करते हैं।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

11. What is sama ?

समा से क्या तात्पर्य है?

12. Describe the office of Diwan-i-Kul ?

दीवान–ए–कुल पद की व्याख्या कीजिए।

Prepp
Your Personal Exams Guide

13. Define Pahikasht ?

पाही-काश्त को परिभाषित कीजिए।

14. Explain darshani hundi ?

दर्शनी हुण्डी के बारे में बताइये।

www.prepp.in

15. What do you mean by Maharashtra Dharma ?

महाराष्ट्र धर्म से आप क्या समझते हैं?

16. Write about the 'safety valve' theory regarding the foundation of the Indian National Congress.

भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की स्थापना के सम्बन्ध में 'सुरक्षा वाल्व' विचार के बारे में लिखिए।

www.prepp.in

17. The 'Aligarh Movements' its aim and men associated with it.

'अलीगढ़ आन्दोलन' का उद्देश्य और व्यक्ति इससे सम्बद्ध थे।

18. What was Jinnah's 'Two Nation' theory ?

जिन्ना के 'दो राष्ट्र' विचार क्या थे ?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

19. Basic features of 'Mercantilism'.

'वाणिज्यवाद' की मूलभूत विशेषताएँ।

20. Write a critical note on 'Communal bias in Indian History writing'.

भारतीय इतिहास लेखन में साम्प्रदायिक पक्षपात पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिये।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I
विकल्प – I

21. Describe the duties of 'Grihastha' in ancient Indian society.
प्राचीन भारतीय समाज में **'**गृहस्थ**'** के कर्तव्यों का उल्लेख कीजिये।

22. How far did Aśoka succeed in implementing the ideals of a welfare state ?
एक लोक कल्याणकारी राज्य के आदर्शों को लागू करने में अशोक कहाँ तक सफल रहा?

23. What for is Mahabalipuram famous ? Who built this city ?
महाबलिपुरम क्यों प्रसिद्ध है? इस नगर का निर्माण किसने किया था?

24. 'Harsha owes his greatness largely not to any real achievements but to the accounts of two famous men'. Discuss.
'हर्ष अपनी महानता के लिये काफी सीमा तक किसी यथार्थ उपलब्धियों की नहीं प्रत्युत् दो प्रसिद्ध व्यक्तियों के वर्णनों का आभारी है।' व्याख्या कीजिये।

25. Describe in brief the political condition of Northern India after the downfall of the Gurjara-Pratiharas.
गुर्जर–प्रतिहारों के पतन के पश्चात उत्तरी भारत की राजनीतिक दशा का संक्षिप्त उल्लेख कीजिये।

OR / अथवा

Elective - II
विकल्प – II

21. Examine Muhammad bin Tughlaq's approach towards the nobility.
अमीर वर्ग (nobility) के प्रति मुहम्मद बिन तुगलक के दृष्टिकोण की विवेचना कीजिए।

22. What were the reasons for sufism Acquiring a widespread significance in medieval Indian society
मध्यकालीन भारतीय समाज में सूफ़ीवाद की सर्वव्यापकता प्राप्त करने के क्या कारण थे?

23. Would you agree with the view that the rural economy in Mughal India was relatively self-sufficient ?
क्या, आप इस बात से सहमत हैं कि मुग़ल काल में ग्रामीण अर्थ–व्यवस्था अपेक्षाकृत स्वायत्तशील थी?

Prepp
Your Personal Exams Guide

24. Discuss the different view points on the Nur Jahan Junta.
नूर जहाँ जुंटा से सम्बन्धित विभिन्न दृष्टिकोणों पर प्रकाश डालिए।

25. Discuss the character of the Maratha movement under Shivaji.
शिवाजी के अंतर्गत मराठा आन्दोलन के स्वरूप की विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III
विकल्प – III

21. Plassey was a great betrayal. Examine.
प्लासी एक बड़ा भारी विश्वासघात था। परीक्षण कीजिए।

22. Comment on the first national war of independence which was neither first, nor national nor a war of independence.
टिप्पणी कीजिए कि प्रथम राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम, न तो प्रथम था, न राष्ट्रीय और न तो स्वतंत्रता का युद्ध ही था।

23. Examine the main aspects of Muslim League politics from 1937 to 1947.
1937 से 1947 तक मुसलिम लीग की राजनीति के प्रमुख पहलुओं का परीक्षण कीजिए।

24. Cripp's proposal opened the door for the possibility of an indefinite number of partitions. Discuss.
क्रिप्स के प्रस्ताव ने अनिश्चित संख्या में देश के विभाजन की संभावना के लिए द्वार खोल दिया था। व्याख्या कीजिए।

25. 'Lord Mountbatten came with an order to organize retreat in military parlance - an operation'. Discuss.
लार्ड माउण्टबेटेन आए थे यह आदेश लेकर कि पीछे हटे – सैन्य वाग्यव्यवहार में कहा जाए कि – एक अभियान (भारत से जाने के लिए) व्याख्या कीजिए।

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in
Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp Your Personal Exam Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - IV
खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words, on any one of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में केवल एक प्रश्न चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Evaluate 'Gāthā' and 'Naraśamsī' as historical compositions.

ऐतिहासिक संरचना के रूप में 'गाथा' एवं 'नाराशंसी' का मूल्यांकन कीजिए।

OR / अथवा

Institutional Crisis led to the decline of Mughal power. Analyse.

संस्थागत संकट मुग़लों की शक्ति ह्रास का कारण था। विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

Tribal revolts were a reaction to an alien, unfeeling administration. Elucidate with reference to the British tribal policy in Eastern India in the nineteenth century.

जनजातीय विद्रोह एक विदेशी असंवेदनशील शासन व्यवस्था के विरुद्ध प्रतिक्रिया थे। उन्नीसवीं शताब्दी में पूर्वी भारत में ब्रिटिश जनजातीय नीति के सन्दर्भ में इसकी व्याख्या कीजिए।

prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Prepp Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....